चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....The Tribune....

दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

Prez lauds state's agri prowess

Exhorts stakeholders to build environment to attract more investment

MUKESH TANDON
TRIBUNE NEWS SERVICE

GANNAUR (SONEPAT), FEBRUARY 17

President Ram Nath Kovind had words of praise for both soldiers and farmers of the state, as he said they had proven themselves on border as well as in the field of agriculture.

The President was addressing a gathering during the closing ceremony of the 4th Agri Leadership Summit 2019 held at India International Horticulture Market (IIHM), Gannaur, Sonepat, on Sunday.

He launched the 'Digital Kisan App' that would provide information about unique initiatives and innovations in the field of agriculture. Condemning the Pulwama terror attack on the CRPF convoy three days ago, the President said: "Along with every Indian, I condemn this heinous crime. The entire country is in mourning with the bereaved families. On behalf of the country, I express gratitude to our brave soldiers and security personnel."

Haryana has truly realised the saying 'Jai Jawan, Jai Kisan' as most of its families have one son working as a farmer and another as a soldier, he added. He exhorted stakeholders to work jointly towards creating an atmosphere that could inspire farmers' children to take up farming enthusiastically. "This would not only enable farmers to become more prosperous but also attract entrepreneurs of other areas to invest in the agriculture sector. Haryana could play a leading role in the nationwide efforts in this direction," he said.

Earlier, the President felicitated nine farmers, including a woman, with 'Haryana Krishi Ratna Award'.

Appreciating the efforts made by the state government for effective implementation of the Beti Bachao, Beti Padhao programme, he said the sex ratio in 2011 was 830 against 1,000 boys but at present it had gone up to 914.

Chief Minister Manohar Lal Khattar, meanwhile, said the theme of the summit was to find ways to double the farmers' income by 2022.

Earlier, Agriculture and Farmer's Welfare Minister OP Dhankar welcomed the President and briefed the audience about summit.

Governor Satyadeo Narain Arya and Finance Minister Captain Abhimanyu were also present on the occasion.

The President presents the farm award to HAU VC Prof KP Singh.

Felicitates farmers, HAU

The President presented the 'Haryana Krishi Ratna Award' to nine farmers, including a woman, in recognition of their outstanding contribution. He also awarded Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University at Hisar with the newly introduced 'Haryana Kisan Ratna Award'.

All praise for 'Chota rajya, bada yogdan'

"Haryana ranks second in contribution of food grains to the central pool. Owing to its contribution of over 14 crore quintal in the central pool, it can surely be said *chota rajya, bada yogdan* (small state, big contribution). It is a matter of pride that Haryana currently ranks second in the country in milk production... it also provides 60 per cent of the basmati exported by the country."

Ram Nath Kovind, PRESIDENT

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 18:2:2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 2-6

उपलब्धि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गन्नौर में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट में कुलपति प्रो. केपी सिंह को दिया अवॉर्ड

एचएयू को मिला हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार

जागरण संवाददाता, हिसार : राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड प्राप्त कर चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पुनः इतिहास रचा है। इस बार हरियाणा सरकार ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान के लिए इस विश्वविद्यालय को हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा की तरफ से सोनीपत के गन्नौर में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट के समापन समारोह में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने पुरस्कार स्वरूप कुलपति को 5 लाख रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी और अतिरिक्त मुख्य सचिव नवराज संधु भी मौजूद थे।

हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह को सम्मानित करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद। ● जागरण

2016 में मिला था सरदार पटेल अवॉर्ड:

इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर एचएयू को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड और हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीटयूशन इनोवेशन सेल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण-पत्र प्रदान किया है।

282 किस्में दे चुकी एचएयू

एचएयू अब तक विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों और संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है।

यह अवार्ड हरियाणा राज्य और इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैर-शिक्षक कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। यह विश्वविद्यालय किसानों को समर्पित है, इसलिए भविष्य में भी विश्वविद्यालय नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहेगा। फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निर्माण के लिए प्रयत्नशील हैं।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, गुजवि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

गौरव की बात • चौथी एग्री समिट के समापन समारोह में राष्ट्रपति ने एचएयू कुलपति को 5 लाख रुपए और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया

एचएयू को मिला पहला हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्नौर, सोनीपत में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट के समापन समारोह में रविवार को राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड प्राप्त कर चुके चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान के लिए पहले हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया है।

पुरस्कार के तौर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्रशस्ति पत्र और पांच लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इस पुरस्कार से प्रसन्नचित कुलपति ने कहा कि यह अवॉर्ड हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय किसानों को समर्पित है। इसलिए भविष्य में भी यह नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहेगा। उन्होंने कहा फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निर्माण के लिए प्रयत्नशील हैं। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी और अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती नवराज संधु भी उपस्थित थे।

गुन्नौर में आयोजित चौथी एग्री समिट के समापन समारोह में एचएयू को महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कृषि रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

बेस्ट इंस्टीट्यूशन से भी सम्मानित हो चुका एचएयू

इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवॉर्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। इनके अतिरिक्त भी इस विश्वविद्यालय ने अब तक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

फसलों, फलों और सब्जियों की 283 किस्मों का किया विमोचन

इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पँजाब केसरी

दिनांक 18:2:2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को पुरस्कृत करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

एच.ए.यू. को मिला हरियाणा किसान रत्न का पुरस्कार, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

» गन्नौर में चल रही चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट का समापन

» राष्ट्रपति ने एच.ए.यू. के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को पुरस्कार स्वरूप दिए 5 लाख का चैक और प्रशस्ति पत्र

हिसार, 17 फरवरी (ब्यूरो): राष्ट्रीय स्तर पर बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड प्राप्त कर चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पुनः इतिहास रचा है। इस बार हरियाणा सरकार ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान के लिए इस विश्वविद्यालय को हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा गन्नौर में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट के रविवार को समापन समारोह में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने पुरस्कार स्वरूप कुलपति को 5 लाख का चैक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कुलपति ने कहा कि यह अवार्ड हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैर-शिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है।

एच.ए.यू. को मिले पुरस्कारों का सफर

इसके पूर्व भी एच.ए.यू. को राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है।

उन्होंने कहा फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निर्माण के लिए प्रयत्नशील हैं। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी और अतिरिक्त मुख्य सचिव नवराज संधू भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........

दिनांक 17.2.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-4

हकृवि को किसान रत्न पुरस्कार

हिसार/17 फरवरी/रिपोर्टर

राष्ट्रीय स्तर पर बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड प्राप्त कर चुके चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पुन: इतिहास रचा है। इस बार राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय को हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गन्नौर में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट के आज समापन समारोह में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने पुरस्कार स्वरूप कुलपति को 5 लाख रूपये का चैक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी और अतिरिक्त मुख्य सचिव नवराज संधु भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों के कारण वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य भण्डार में योगदान करने वाले राज्यों में हरियाणा का दूसरा स्थान है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कुलपति ने कहा कि यह अवार्ड प्रदेश तथा इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा यह विश्वविद्यालय किसानों को समर्पित है इसलिए भविष्य में भी यह नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला, दैनिक भूमि

दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. 13, 14 कॉलम 3.5, 2.5

एग्रो लीडरशिप समिट के समापन पर हिसार के चौधरी चरण सिंह कृषि विवि के वीसी डॉ. केपी सिंह को सम्मानित करते राष्ट्रपति।

हकृवि को मिला हरियाणा किसान रत्न पुरुस्कार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

राष्ट्रीयस्तर पर बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड प्राप्त कर चुके हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने पुनः इतिहास रचा है। इस बार हरियाणा सरकार ने कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय योगदान के लिए हकृवि को हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार प्रदान किया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा गन्नौर, सोनीपत में आयोजित चौथी ऑल इंडिया एग्री लीडरशिप समिट के समापन समारोह में हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह को यह पुरस्कार प्रदान किया।

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने हकृवि कुलपति को प्रदान किया पुरस्कार

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017 से नवाजा जा चुका है।

282 किस्मों का विमोचन किया

इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है। इनमें से कुछ किस्में अन्य राज्यों और यहां तक कि विदेशों में भी लोकप्रिय हुई हैं। इन किस्मों के परिणामस्वरूप चावल, कपास, गेहूं, दलहन, तिलहन व बाजरा उत्पादन में कई गुणा वृद्धि हुई है।

अवशेष प्रबंधन के लिए बनाया सेंटर

हकृवि की हालिया पहल जैसा कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए इनोवेशन सेंटर की स्थापना की गई है। सैंटर फॉर बायो नैनो टेक्नोलोजी, कॉलेज आफ एग्रीपेन्योर व बिजनेस मैनेजमेंट, दीनदयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार आर्गेनिक फार्मिंग, एग्री टूरिज्म पार्क, यूनिवर्सिटी इनोवेशन सैंटर, एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर, आधुनिक स्वदेशी बीज बैंक और आरकेवीवाई इनक्यूबेटर को भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है, जो नये स्टार्टअप और इनोपेन्योरस को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहरलाल, कृषिमंत्री ओमप्रकाश धनखड़, वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक अजीत बालाजी जोशी और अतिरिक्त मुख्य सचिव नवराज संधु भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... राष्ट्रीय सहारा .....

दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. ....5..... कॉलम ....1-3.....

सोनीपत के गन्नौर की अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी में चौथे कृषि शिखर सम्मेलन के समापन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद चौधरी चरण सिंह कृषि विवि के कुलपति डॉ. केपी सिंह को पुरस्कार देते हुए। साथ में राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व अन्य। फोटो : एसएनबी

देश को कृषि नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता रखता है हरियाणा : कोविंद

निश्छल भटनागर

सोनीपत। एसएनबी

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कहा कि हरियाणा देश को कृषि नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता रखता है। यही नहीं, जय जवान-जय किसान नारे को भी सही मायने में हरियाणा राज्य ही चरितार्थ कर रहा है, क्योंकि यहां लगभग हर परिवार में एक बेटा किसान तो दूसरा बेटा सेना में जवान या अफसर बनकर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए मुस्तैदी से खड़ा है। राष्ट्रपति रविवार को सोनीपत के गन्नौर की अंतरराष्ट्रीय फल व सब्जी मार्केट में चौथे कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन के समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित किसानों को संबोधित कर रहे थे। मौके पर हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओम प्रकाश धनखड़, शहरी स्थानीय निकाय, महिला व बाल विकास मंत्री कविता जैन भी उपस्थित रहीं।

राष्ट्रपति ने संबोधन पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर शुरू किया और कहा कि कश्मीर की घटना कायरतापूर्ण है। पूरा देश उन शहीदों के परिवारों के साथ खड़ा है। राष्ट्रपति ने कहा, हरियाणा सहित देश के सभी राज्यों के उद्यमी किसान अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए अनाज फल-फूल व डेयरी उत्पादन का प्रचुर मात्रा में उत्पादन कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और घटना को कायरतापूर्ण बताया

चौथा कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन संपन्न

यहां चौ. चरण सिंह कृषि विवि के कुलपति प्रो. डॉ. केपी सिंह ने राज्य का पहला हरियाणा कृषि रत्न पुरस्कार राष्ट्रपति के हाथों ग्रहण किया। राष्ट्रपति कोविंद ने डिजिटल किसान ऐप भी लांच किया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश में आयोजित कृषि कुंभ में हरियाणा ने पार्टनर राज्य के रूप में भागीदारी की थी। साथ ही इजराईल, ब्राजील व नीदरलैंड जैसे देश सहभागी देश थे। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि हरियाणा ने इन देशों के साथ उत्कृष्टता केंद्र खोले हैं और एग्री समिट में 14 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा डेढ़ लाख से अधिक हरियाणा के किसानों ने इस मेले का दौरा करते हुए यहां लगी कृषि प्रदर्शनी में कृषि व किसान कल्याण की नई तकनीकों की जानकारी ली है। इसके बाद राष्ट्रपति ने विकास के मार्ग पर कई मील के पत्थर स्थापित करने के लिए हरियाणा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन में पहुंचे राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए कहा कि निश्चित रूप से देश के किसानों को इससे प्रेरणा मिलेगी कि भारत का राष्ट्रपति उनके कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ। पूर्व में गुरुग्राम, फरीदाबाद व रोहतक में कृषि नेतृत्व शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक करके कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने करके नया आयाम स्थापित किया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री धनखड़ ने कहा कि आज का दिन किसान इतिहास में एक ऐतिहासिक एवं सौभाग्यशाली दिन है। राष्ट्रपति कोविंद स्वयं किसानों से रूबरू होने इस कृषि शिखर नेतृत्व सम्मेलन में पहुंचे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 7-8

जय जवान-जय किसान का नारा हरियाणा कर रहा चरितार्थ, परिवार का एक बेटा खाद्य सुरक्षा तो दूसरा सीमा की रक्षा करने में लगा है: कोविंद

सोनीपत | महेंद्रगढ़ की महिला किसान नीतू देवी को किसान रत्न सम्मान देते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद। साथ में मुख्यमंत्री मनोहर लाल व राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य।

- सोनीपत में एग्री लीडरशिप समिट के समापन अवसर पर पहुंचे राष्ट्रपति
- 24 को किसान रत्न सम्मान दिया, एचएयू कृषि रत्न पुरस्कार पाने वाला पहला संस्थान

गन्नौर (सोनीपत) | जय जवान, जय किसान के नारे को हरियाणा ही चरितार्थ करता है। यहां परिवार में एक बेटा किसान है तो दूसरा बेटा जवान है। एक खेत में दिन-रात परिश्रम कर देश के लिए खाद्य सुरक्षा का काम कर रहा है तो जवान सीमा पर देश की रक्षा में लगा है। यह बात राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को गन्नौर की अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में एग्री लीडरशिप समिट में कही। समिट के आखिरी दिन मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राष्ट्रपति ने कहा कि हरियाणा के लोग चावल व मांस कम खाते हैं, पर उत्पादन में अहम हिस्सेदारी रखते हैं। इस दौरान 24 किसानों को किसान रत्न पुरस्कार दिया गया है। 9 किसानों को राष्ट्रपति ने स्वयं अपने हाथों से यह सम्मान दिया। वहीं, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार कृषि रत्न पुरस्कार पाने वाला प्रदेश का पहला संस्थान बना है। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर डिजिटल किसान एप भी लॉन्च किया। एप को मोबाइल में लोड कर किसान खेती से जुड़ी हर जानकारी ले सकेंगे।

किसान की आमदनी प्रति एकड़ एक लाख रु. करना लक्ष्य: सीएम

इस अवसर पर सीएम मनोहर लाल ने कहा कि किसान के पास जमीन कम है और लगातार जोत छोटी होती जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि किसान की आमदनी प्रति एकड़ एक लाख रुपए तक पहुंचाई जाए। इसके लिए नए बदलावों व तकनीक के साथ किसानों को जागरूक कर रहे हैं।

राष्ट्रपति भवन को मुर्रा भैंस, साहीवाल गाय देने की पेशकश

समिट में मौजूद कृषि मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मौजूदगी में राष्ट्रपति भवन के लिए मुर्रा भैंस, साहीवाल गाय देने की पेशकश की। तीन दिन चली समिट में प्रदेश से डेढ़ लाख किसान पहुंचे। समापन कार्यक्रम में राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु और महिला एवं बाल विकास मंत्री कविता जैन भी शामिल हुईं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 18.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

'जय जवान, जय किसान' के नारे को चरितार्थ कर रहा हरियाणा : कोविंद

अधिकांश परिवारों में एक बेटा किसान तो दूसरा सेना में जवान

संजय निधि • गन्नौर (सोनीपत)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि हरियाणा सही मायनों में जय जवान, जय किसान के नारे को चरितार्थ कर रहा है। यहां के अधिकांश परिवारों में एक बेटा किसान है तो दूसरा बेटा सेना में जवान। वे रविवार को गन्नौर की अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी में आयोजित चौथे एग्री लीडरशिप समिट के समापन समारोह में किसानों को संबोधित कर रहे थे।

इससे पूर्व उन्होंने पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि दी और नौ किसानों को कृषि रत्न और हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को किसान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने कृषि रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले किसानों और इसमें सहायता करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सफल किसानों से दूसरे किसानों को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि एग्री समिट में 14 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया है और डेढ़ लाख से अधिक हरियाणा के किसानों ने मेले का दौरा कर यहां लगी प्रदर्शनियों में कृषि की नई तकनीकों की जानकारी ली है।

उन्होंने हरियाणा की 108 मंडियों को आनलाइन ई-नेम से जोड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे किसान अपने उत्पाद आसानी से उचित मूल्य पर बेच सकेंगे। राष्ट्रपति ने आशा जताई कि यह चौथी एग्री लीडरशिप समिट खेती की नई तकनीकों और कृषि व्यापार के रूप में आगे बढ़ाने के नए अवसरों की उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर वैल्यू चयन को ध्यान में रखकर एक उद्यमी की निगाह से खेती अपनाने की जरूरत है।

हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को किसान रत्न पुरस्कार से नवाजा

सोनीपत में रविवार को चौथे एग्री लीडरशिप के आखिरी दिन प्रदर्शनी का अवलोकन करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य। • पेट्र

प्रदेश में तेजी से सुधरा लिंगानुपात

राष्ट्रपति ने कहा कि हरियाणा के लोग बेटी बचाओ अभियान सहित महिला सशक्तीकरण में भी बड़ा बदलाव ला रहे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार हरियाणा में एक हजार बेटों के पीछे लड़कियों की संख्या मात्र 830 थी, जो अब बढ़कर 914 तक पहुंच गई है। राष्ट्रपति ने सोनीपत का उदाहरण देते हुए कहा कि जिले के 16 गांव ऐसे हैं, जहां बेटियों की संख्या बेटों से अधिक है। यह समाज में बदलाव की नई जागृति का प्रमाण है।

पराली प्रबंधन पर थपथपाई सरकार की पीठ

राष्ट्रपति ने कहा कि पर्यावरण के प्रति भी हरियाणा के लोग सजग हैं। इस वर्ष पराली के उचित प्रबंधन को अपनाकर और उसका बेहतर उपयोग किया। इससे पर्यावरण प्रदूषण में कमी आई। उन्होंने इसके लिए हरियाणा के लोगों व सरकार को बधाई भी दी।